भजन

तर्ज.... मेरे दिले नादान

ओ मेरे प्राण पिया, हम हो गए तेरे पिया
तेरे ही रहे हैं सदा, तेरे ही रहेंगे सदा

1 कैसी ये हांसी पिया, हम हो गए तुझसे जुदा
प्यारी निसबत की खातिर, तूने गम भी उठा ही लिया
कुछ समझ नहीं आता, कैसे दूं वफा का सिला

2 दुःख दर्द भरे जग में, तेरा प्यार ही काफी है
कुछ और न हम चाहें, दीदार ही काफी है
इक मेहर नजर करके, पिया आप ही लेना उठा

3 फरामोशी में थी पिया, नहीं साहेबी का था पता
अब बख्शी मेरी खता, दीजो अपना इश्क सदा
इत जाग के जान सके, हमे निजघर है जाना

4 मेरा नहीं कुछ मुझमें, सब कुछ पिया तेरा है
हमे धाम को है जाना, जग झूठा बसेरा हैं
तेरी माया ना अब भाए, तेरे प्यार को है पाना